पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने लोक नाट्य शैली नौटंकी की संगीतमय प्रस्तुति 'सियाराम अवधपुरी से जनकपुरी' का उद्घाटन किया

राम का व्यक्तित्व हिमालय से ऊंचा एवं समुद्र से भी अधिक गहरा है - राज्यपाल

लखनऊ: 17 अक्टूबर, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज सन्त गाडगे प्रेक्षागृह गोतमीनगर, लखनऊ में सत्यसर्मपण संस्था द्वारा आयोजित लोक नाट्य शैली 'नौटंकी की संगीतमय प्रस्तुति' 'सियाराम अवधपुरी से जनकपुरी' तक का द्वीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन किया। इसकी परिकल्पना, लेखन, संगीत निर्देशन श्री अमित दीक्षित द्वारा किया गया है। इस अवसर पर श्री महेेन्द्र सोनी, श्री राम कृपाल, संगीत नाट्य अकादमी की अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा पाण्डेय तथा भारी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री राम नाईक ने कहा कि यहां आकर मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है। इस समय जगह-जगह रामलीला का मंचन किया जा रहा है। इसके लिये आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि प्रदेश सरकार ने इस शुभ अवसर पर जनभावनाओं का सम्मान एवं उनकी मांग को पूरा करते हुए इलाहाबाद के नाम को बदल कर प्रयागराज किया है। राज्यपाल ने कहा कि इससे पहले भी कोलकाता, मुंबई, मद्रास, बंगलूरू और त्रिवेन्द्रम के नामों को वहां की जनभावनाओं को देखते हुए परिवर्तित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इसके सम्बंध में मैने भी प्रदेश के मुख्यमंत्री जी से इस पर विचार करने के लिये सुझाव दिया था, जिसे मुख्यमंत्री जी ने कैबिनेट में प्रस्ताव को पास करके पूरा किया।

राज्यपाल ने रामायण को अद्भुत कथा बताते हुए कहा कि राम का व्यक्तित्व हिमालय से ऊंचा एवं समुद्र से भी अधिक गहराई लिये हुए है। इसे सभी ने अपने-अपने ढंग से व्यक्त किया है। श्री अमित दीक्षित द्वारा पुरानी एवं विलुप्त होती संस्कृति के माध्यम से रामायण का मंचन एवं नाट्य द्वारा प्रस्तुतिकरण अत्यन्त अनुकरणीय है। रामायण के बारे में दुनिया में सबसे अधिक लिखा गया है। राम के बचपन से लेकर अन्त तक अनेकों कथाएं हैं। यह आश्चर्य का विषय है कि इनकी कथाएं इण्डोनेशिया तथा थाइलैण्ड जैसे अन्य देशों में भी प्रचलित एवं लोकप्रिय हैं।

श्री राज्यपाल कहा कि नौटंकी एवं कथक के माध्यम से रामायण को प्रस्तुत करने के लिए श्री अमित दीक्षित के प्रयासों की सराहना एवं अभिनन्दन करता हूं। उन्होंने नौटंकी एवं कथक का संगम दिखाने का अद्भुत प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि ऐसी कला को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने श्री अमित दीक्षित को हिम्मत के साथ आगे बढ़ने एवं कला को आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि कला के माध्यम से जीवन में सम्मान एवं ऊंचाईयों को प्राप्त किया जा सकता है।

इस अवसर पर श्री अमित दीक्षित ने राज्यपाल श्री राम नाईक को शाॅल एवं स्मृति चिहन भेंट कर स्वागत एवं अभिनन्दन किया। श्री दीक्षित ने राज्यपाल की कार्यशैली एवं राजनैतिक

उपलब्धियों से लोगों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों के लिए यह गौरव का विषय है कि ऐसे व्यक्ति द्वारा उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के पद को सुशोभित किया जा रहा है।

अशोक/दिलशाद/राजभवन (401/26)